

जनोम सीक्वेंसिंग से ओमिक्रॉन वायरस की पुष्टि

चर्चा में क्यों?

5 दिसंबर, 2021 को राजस्थान में दक्षिण अफ्रीका से आए परिवार की जनोम सीक्वेंसिंग की रिपोर्ट में 9 व्यक्ति कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन से ग्रसति पाए गए हैं।

प्रमुख बंदि

- चकितिसा सचवि वैभव गालरयिा ने बताया कविभाग ने दक्षिण अफ्रीका से आए परिवार को पूर्व में ही आरयूएचएस में भरती करवा दिया था। उनके संपर्क में आए 5 अन्य लोग भी संक्रमति पाए गए हैं, इन्हें भी आरयूएचएस में एडमटि कयिा जा रहा है।
- सचवि ने बताया कदिक्षिण अफ्रीका से आए परिवार सहति उनके संपर्क में आए 34 लोगों के सैपल लयिे गए थे, जनिमें से 9 लोग कोरोना संक्रमण के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन से पॉजटिवि पाए गए हैं, जबकबिाकी 25 लोग नगिटिवि हैं।
- इस दक्षिण अफ्रीकी परिवार के संपर्क में सीकर ज़लि के अजीतगढ़ का एक परिवार भी आया था। वभिाग ने सीकर में उन सभी 8 लोगों की भी ट्रेसिंग की। वे सभी नगिटिवि पाए गए हैं।
- उल्लेखनीय है कविशि्व सवास्थय संगठन ने हाल ही में खोजे गए कोवडि-19 के **B.1.1.1.529** स्ट्रेन की 'वैरिएंट्स ऑफ कंसर्न' (**Variants of Concern- VOC**) के रूप में पहचान की है।
- इस वायरस का सबसे पहले दक्षिण अफ्रीका में पता चला था और इसके नाम को परिवर्तति करके ओमिक्रॉन (**Omicron**) कर दिया गया।
- ओमिक्रॉन को विश्व स्तर पर प्रमुख डेल्टा प्लस और इसके कमज़ोर परतदिवंदवयिों अल्फा, बीटा एवं गामा के साथ-साथ कोवडि-19 वैरिएंट की सबसे अधिक चतिाजनक श्रेणी में रखा गया है।
- हालाँकि इस बात का कोई विश्वसनीय अनुमान नहीं है कपिछिले वायरस स्ट्रेन की तुलना में यह ओमिक्रॉन वैरिएंट कतिना अधिक संक्रामक है।
- दक्षिण अफ्रीका के अलावा, इज़रायल में मलावी, बोत्सवाना, बेलजयिम और हॉन्गकॉन्ग से आने वाले लोगों में ओमिक्रॉन वैरिएंट की पहचान की गई है।
- विश्व सवास्थय संगठन डब्ल्यूएचओ ने उन देशों (जहाँ पहली बार उनकी पहचान की गई) के स्थान पर ग्रीक वर्णमाला के अक्षरों के आधार पर वैरिएंट का नाम देने का पैसला कयिा है।
- डब्ल्यूएचओ ने **Mu** और **Omicron** के बीच दो अक्षरों **Nu** या **Xi** के बजाय ओमिक्रॉन नाम का चयन कयिा।